नाम	: Ramkumar
लिंग	: पुरुष
जन्म तिथि	: 14 फेब्रुवरी, 1987 शनिवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 06:30:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति	: Standard Time
जन्म स्थल	: Delhi
रेखांश (Deg.Mins)	: 77.13 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins)	: 28.40 उत्तर दिशा
अयनांश	: चित्रपक्ष उ 23 डिग्रि. 40 मिनिट. 34 सेकेन्ड.
दशा पद्धति	: विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र	: **मघा**
नक्षत्र पद	: 1
नक्षत्र का देव	: केतु
जन्म राशी	: **सिंह**
राशी का देव	: रवि
लग्न	: मकर
लग्न का देव	: शनि
तिथि	: प्रथमा, कृष्णपक्ष
करण	: वाध
नित्ययोग	: शोभना
सूर्योदय	: 07:01 AM Standard Time
सूर्योस्त	: 06:10 PM " "
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	: शुक्रवार
प्रादेशिक समय	: Standard Time - 21 Min.

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष उ 23डिग्रि.40 मिनिट.34 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	290:10:16	मकर	20:10:16	श्रावण	4
चन्द्र	123:0:55	सिंह	3:0:55	मघा	1
रवि	301:6:56	कुंम्भ	1:6:56	धनिष्ठ	3
बुध	319:1:47	कुंम्भ	19:1:47	शताभिषा	4
शुक्र	256:21:13	धनु	16:21:13	पूर्वषाढा	1
मंगल	1:46:53	मेष	1:46:53	अशविनि	1
गुरु	332:27:26	मीन	2:27:26	पूर्व भद्रपाढा	4
शनि	235:50:11	वृशचिक	25:50:11	ज्येष्ठ	3
राहु	350:29:11	मीन	20:29:11	रेवत्ति	2
केतु	170:29:11	कन्या	20:29:11	हस्त	4
गुलिक	222:8:32	वृशचिक	12:8:32	अनुराधा	3

राशी

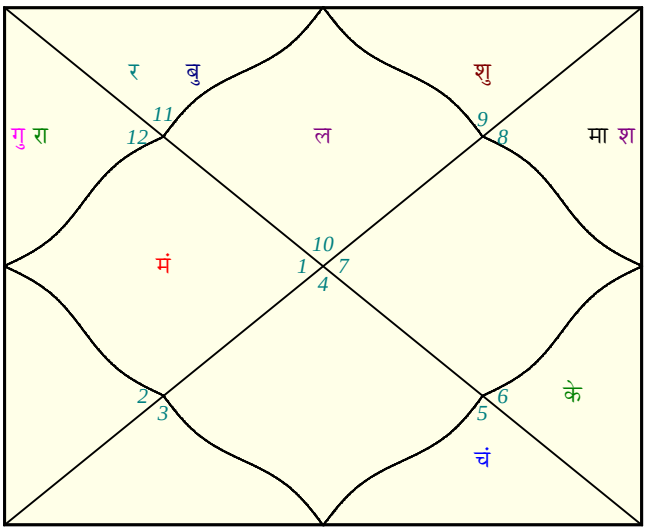

जन्म के समय दशा की समतुलना = केतु 5 साल, 5 महीने, 1 दिन

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

पुरे सालभर में सूरज ज्योतिषचक्रका ३६० डिग्री का एक गोल संक्रमण करता है। आपके जीवन कें विशीष्ट साल का परिणाम या प्रतिफलका विश्लेषण करनें हेतू, जन्मकुंडली उस वक्त निकाली है जहा संक्रमण करता हुआ सूरज वहा है जहा वो आपके जन्म समय था। इस जन्मकुंडलीका विशीष्ट साल कें लिए आपके जीवन कें प्रसंग और भविष्यवाणी बताने हेतू उपयोग किया जाता है। वार्षिक या प्रगतीशील जन्मकुंडली यह पश्चिमी ज्योतीषशास्त्र कें सिडेरियल सोलर रिटर्न चार्ट जैसी ही है।

वर्षफल कों तजाका या ज्योतीषशास्त्र की ताजिक प्रणाली कें रूप में जाना जाता है। बहोत लेखको में सें, निलकंठ और केशव यह जो बहोत बडे लेखक है जिन्होनें ताजिक प्रणाली पर अच्छा लिखा है।

यहा दिया गया वार्षिक जन्मकुंडली विश्लेषण और भविष्यवाणी ताजिक प्रणाली कें तत्वोंपर आधारित है। वर्षफल को नये साल में प्रवेश ऐसे कहा जाता है और उसका बहोत बडा महत्व है। यह पुरातन किताबों या ग्रंथो में सूझायें विस्तृत पद्धती सें यह निकाला गया है। आपकें जन्मके सप्ताह का दिन, वर्षफल कें रूप में जाना जाता है। वार्षिक कुंडली कें लग्न के अलावा, जिसकों वर्ष लग्न कहा जाता है और एक महत्वपुर्ण परिणाम होता है जिसें मुंथा, मुंथा स्वामी और वर्ष स्वामी कहा जाता है।

परासरा प्रणाली और वर्षफल अंतर्गत जन्मकुंडली का निर्णय लेने हेतू, नियमों में बहोत बडा अंतर या असमानता है। दो प्रणाली में पैलू और मेल इनके नियमों का संच अलग-अलग होता है। परासर प्रणाली में शब्दबला के अलावा पंचवर्गी य बला सें ग्रहो का सामर्थ्य निर्धारित होता है।

पूर्ववर्ती विश्लेषण में, विविध घटकों कें परिणाम कभी कभी प्रतिकूल रहते है और कभी कभी अनुकूल होते है। कुछ अशुभ परिणाम शुभ परिणामों सें नष्ट होते है, बहोत समय इसका पुरे सालभर में आप या कुछ समय में अनुभव लें गे। पुरे सालभरका कुल निर्णय हर एक वार्षिक भविष्यवाणी कें अंत में दिया जाता है।

कृपया ध्यान रखें , वर्षफल अवधि में वर्षप्रवेश कें दिन सें संपुर्ण साल समाविष्ट किया जाता है, जो लगभग एक जन्मदिन सें दुसरे जन्मदिन तक रहता है।

यहा दियी गयी भविष्यवाणी भाग्य का दर्शक है और आप आपके परिश्रम, इच्छा-शक्ति और भगवान का आशिर्वाद इससें कठिन समय पर निश्चीत रूप से विजय प्राप्त कर सकते है।

Forecast from 1-January-2018 to 13-February-2018 Year : : **31**

वर्षप्रवेश

दिनांक : 13-February-2017
समय : 11.04.52 PM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष उ 24डिग्रि.5 मिनिट.39 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	186:25:9	तुला	6:25:9	चित्रा	4
चन्द्र	154:14:21	कन्या	4:14:21	उत्तर फालगुनी	3
रवि	301:6:47	कुंम्भ	1:6:47	धनिष्ठ	3
बुध	285:34:9	मकर	15:34:9	श्रावण	2
शुक्र	342:56:40	मीन	12:56:40	उत्तर भद्रपाढा	3
मंगल	348:9:36	मीन	18:9:36	रेवत्ति	1
गुरु	178:57:30	कन्या	28:57:30रितु	चित्रा	2
शनि	241:35:40	धनु	1:35:40	मूल	1
राहु	129:48:58	सिंह	9:48:58	मघा	3
केतु	309:48:58	कुंम्भ	9:48:58	शताभिषा	1
गुलिक	155:34:42	कन्या	5:34:42	उत्तर फालगुनी	3

मुंथा **कर्क**

वार्षिक कुंडली

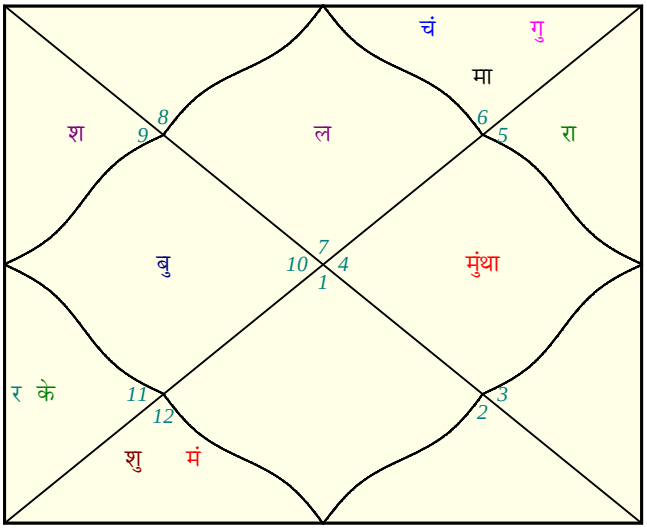

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	0	0	5	0	0
दुसरा तीव्रता	0	0	0	5	0	0	0
तीसरा तीव्रता	0	5	0	0	5	5	5
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	5	5	5	10	10	5	10
शक्ती	कमझोर	कमझोर	कमझोर	मध्यम	मध्यम	कमझोर	मध्यम

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	22.5	22.5	15.0	7.5	7.5	22.5	7.5
उच्च	6.529	12.346	6.603	18.438	14.427	10.671	15.378
हड्डा	11.25	7.5	11.25	3.75	11.25	3.75	3.75
द्रिख्खन	10.0	5.0	7.5	2.5	2.5	7.5	5.0
नवांश	1.25	2.5	3.75	5.0	1.25	3.75	1.25
सभी मिलाकार	51.529	49.846	44.103	37.188	36.927	48.171	32.878
विमसोपका	12.882	12.462	11.026	9.297	9.232	12.043	8.22
शक्ती	पुरा	पुरा	पुरा	मध्यम	मध्यम	पुरा	मध्यम

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	चन्द्र	12.882	पैलू नही	नही
जन्म लग्न स्वामी	शनि	8.22	मैत्रीपूर्ण	हां
वर्ष लग्न स्वामी	शुक्र	9.297	पैलू नही	नही
त्री-राशी स्वामी	शनि	8.22	मैत्रीपूर्ण	हां
दिन-रात्री स्वामी	बुध	11.026	प्रतिकूल	हां

पात्र ग्रहों के बिच, बुध इसे उची तीव्रता है
बुध को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

मुंथा दसवें घर में है। इस चरण के दौरान, आप अपने कैरियर में बेहतर करेंगे और जहाँ भी जाएँगे वहाँ आराम से यात्रा करेंगे। कुछ संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है अथवा आप कुछ विलासकारी वस्तुएँ प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, यह स्वयं एक नया वाहन प्राप्त करने के लिए एक अच्छा समय है!! आपके वरिष्ठजन अनुकूल रूप से आपकी ओर और आपके उत्साहीकारी विचारों की ओर झुकेंगे। आप उन लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे जिनके पीछे आप गंभीरतापूर्वक लगे हैं। एक खुशहाल और संतुष्टपूर्ण मानसिक अवस्था प्राप्त करने के लिए जीवन में आगे बढ़िए।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अच्छे स्थानपर है फिर भी, मुंथा स्वामी अशुभ स्थान पर है। इससे मुंथा के अच्छे प्रभाव नष्ट होते है। और, इस साल दौरान कुछ समस्या भी दिखाई देगी।

मंथ स्वामी बारहवे स्थान में हैं। आपके लिये यह वर्ष कुछ नुकसान तथा पराजय के संकेत हैं। आपको कोई प्रतिष्ठित पद मिल सकता हैं या आपको किसी रिश्ते को छोड देना पड सकता हैं। लेकिन प्रयास करते रहें और अपना आत्मविश्वास ना खोऐं और जीवन में आने वाली निराशाओ का सामना बहादुरी से करें।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

बुध साल स्वामी है और वह बलवान है। आगे के कुछ महिनों में , आप कार्यकुशलता से और व्यवहार कौशल्य से संपत्ती प्राप्त कर सकते है। व्यापार संपर्क हो सकते है या फिर तांत्रिक बातों का ज्ञान प्राप्त हो सकता है। आपके हमेशा के प्रयास को सम्मान मिलेगा और मेरिट भी प्राप्त कर सकेंगे। आपको क्रिडा और खेल में रूची हो तो आपको नाम प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। एयरिटोक्राफ्ट्स और शिक्षीत पुरूष में आपके मित्र रहेंगे। इससे आप प्रसिद्ध व्यक्ति बन सकते है।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

ज़न्म लग्न वार्षिक चौथा स्थान है। यह साल आपके लिए खुशी कें क्षण लेकर आयेगा। खुद कें लिए या परिवार के लिए कुछ पोषित चीज खरीद सकते है, वह नयी गाडी भी हो सकती है। आप आराम का आनन्द लेंगे और परिवार के लिए आर्थिक प्राप्ती होगी। इस अवधि में , आप परिवार और मित्रो में जादा प्रसिद्धी का आनन्द लेंगे।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा बारहवे स्थान में है। इससे अनपेक्षित कठिनाइयां, सर्दी की बिमारी, प्लिहा समस्या, झुठ बोलने की आदत और दान क़रने की प्रवृत्ती

सुर्य पाँचवे स्थान में है। इससे लोगो के साथ अलोकप्रियता, विवादों में अडचनें, संदेहात्मक निर्णय लेना, बच्चो को दुख, बिमारी और पैसे कम पडना यह चिजें दिखाई देती है।

बुध चौथे स्थान में है। इससे सामान्य आनन्द, अच्छा उत्पन्न, उनसे नयी प्राप्ती और लाभ, नयी गाय या जमीन की प्राप्ती, नयी गाडी का आनन्द यह दिखाई देता है।

शुक्र छठे स्थान में है। इससे लोगो सें विवाद, शत्रु से क़ष्ट, जादा सिरदर्द और मानसिक चिंता, पाचन क्रिया समस्या की संभावना है।

मंगल छठे स्थान में है। इससे शत्रुओं की असफलता, खुद की सफलता, परिवार में आनन्दद और मित्रो सें प्राप्ती होगी।

गुरू बारहवें स्थान में है। इससे खर्च में वृद्धी और परिवार सदस्यों में तनाव की संभावना है।

शनी तीसरे स्थान में है। इससे शत्रुओ सें विध्वंस, आर्थिक प्राप्ती, जमिन प्राप्ती, परिचित और संबंधी और नजदिकी मित्रों से दुश्मनी की संभाव्यता है।

राहु ग्यारहवे स्थान में है। इससे असाधारण प्राप्ती, शेयर और व्यापार में प्राप्ती, किन्तु परिवार के युवा सदस्यो सें गलतफहमी की संभावना है।

केतु पाँचवे स्थान में है। इससे सरकार सें अडचनें, नाम और अधार्मिकता में नुकसान। निराधार शिकायत से शत्रु तैयार हो सकते है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	प्रतिकूल
रवि	प्रतिकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	प्रतिकूल
मंगल	अनुकूल
गुरु	प्रतिकूल
शनि	अनुकूल
राहु	अनुकूल
केतु	प्रतिकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः **प्रतिकूल**

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	अनुकूल
मुंथा स्वामी	प्रतिकूल
वर्ष नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	प्रतिकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींग: 60 %

■■■■■■■■■■■■■■■■■■□□□□□□□□□□□□□

Forecast from 14-February-2018 to 31-December-2018 Year : : **32**

वर्षप्रवेश

दिनांक : 14-February-2018
समय : 05.14.01 AM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:
चित्रपक्ष उ 24डिग्रि.6 मिनिट.25 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	268:48:59	धनु	28:48:59	उत्तरषाढा	1
चन्द्र	280:8:45	मकर	10:8:45	श्रावण	1
रवि	301:6:49	कुंम्भ	1:6:49	धनिष्ठ	3
बुध	298:21:52	मकर	28:21:52	धनिष्ठ	2
शुक्र	309:40:19	कुंम्भ	9:40:19	शताभिषा	1
मंगल	227:9:15	वृशचिक	17:9:15	ज्येष्ठ	1
गुरु	208:17:15	तुला	28:17:15	विशखा	3
शनि	251:58:39	धनु	11:58:39	मूल	4
राहु	110:27:38	कर्क	20:27:38	आशलेष	2
केतु	290:27:38	मकर	20:27:38	श्रावण	4
गुलिक	132:44:49	सिंह	12:44:49	मघा	4

मुंथा सिंह

वार्षिक कुंडली

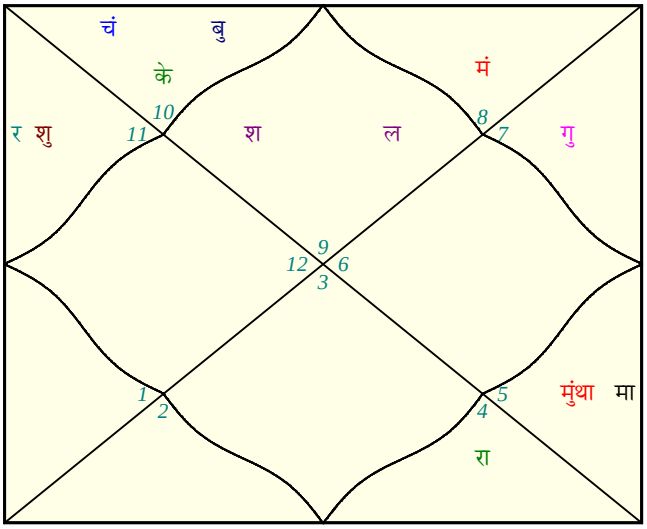

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	0	0	0	5	0
दुसरा तीव्रता	0	0	0	0	5	0	0
तीसरा तीव्रता	5	0	5	5	5	5	5
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	10	0	10	10	10	10	10
शक्ती	मध्यम	कुछ नही	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	15.0	22.5	15.0	22.5	30.0	22.5	22.5
उच्च	7.461	12.346	5.182	14.741	12.128	7.412	14.225
हड्डा	3.75	3.75	11.25	7.5	11.25	7.5	11.25
द्रिख्खन	7.5	2.5	5.0	10.0	2.5	10.0	5.0
नवांश	3.75	1.25	5.0	3.75	2.5	1.25	2.5
सभी मिलाकार	37.461	42.346	41.432	58.491	58.378	48.662	55.475
विमसोपका	9.365	10.587	10.358	14.623	14.595	12.166	13.869
शक्ती	मध्यम	पुरा	पुरा	पुरा	पुरा	पुरा	पुरा

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	रवि	10.587	मैत्रीपूर्ण	हां
जन्म लग्न स्वामी	शनि	13.869	प्रतिकूल	हां
वर्ष लग्न स्वामी	गुरु	12.166	मैत्रीपूर्ण	हां
त्री-राशी स्वामी	शनि	13.869	प्रतिकूल	हां
दिन-रात्री स्वामी	शनि	13.869	प्रतिकूल	हां

पात्र ग्रहों के बिच, शनि इसे उची तीव्रता है
शनि को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

नौवें घर में मुंथा की स्थिति वर्ष के दौरान अच्छे भाग्य और समृद्धि को इंगित करती है। एक युवा पुरुष के रूप में, आप अपने कैरियर में बेहतर कर सकते हैं अथवा संभवतः कुछ सामाजिक गतिविधियों में। सफलता और प्रसिद्धि आपके पास आसानी से आएँगे। आपकी अभिलाषाएँ सही हो सकती हैं। घर में कुछ उत्सव हो सकते हैं और परिवार के अंदर खुशी हो सकती है। विदेशी संपर्कों और विदेशी भूमियों से लाभों के संकेत दिए जाते हैं। यह एक प्रतिष्ठित अनुबंध हो सकता है। हालाँकि, इस अनुकूल समय के अधिकांश भाग का उपयोग कीजिए।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अच्छे स्थानपर है और मुंथा स्वामी भी अच्छे स्थान में है। इससें अच्छे परिणाम दिखाई देते है।

मुंथा स्वामी तिसरे स्थान में है। यह वर्ष आपके लिये खुशी के क्षण लायेगा, विशेष रुप से आपके परिवार और भाईबहनों कि ओर से. आप नये विषयों में सफलता का आनंद उठाऐंगी या आप अपना प्रयास इमानदारी से करेंगी।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

शनी साल का स्वामी है और वह बलवान है। आप या आपका परिवार जमीन या घर खरीद सकते है या बाँध सकते है। आपको अनपेक्षीत स्त्रोतो सें खास कर विदेशी स्त्रोतो सें पैसा प्राप्त कर सकते है। फिर भी, आप प्रसिद्द व्यक्ति सें प्राप्ती टालें। आप मदद के लिए दुसरो पर बहोत निर्भर रह सकते है। खुद से चिजें करने हेतु आपको बहोत प्रयास करें। आपकों दुश्मनो पर विजय प्राप्त करने हेतु बहोत मेहनत करनी पडेगी। और मेहनत सें आपको निश्चीत ही प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

जन्म लग्न वार्षिक दुसरा स्थान है। यह साल आपके और आपके परिवार के लिए निजी पैसों के बारे में भाग्यशाली है। फिर भी, कुछ दुख या जख्म का धोखा हो सकता है। और, दुख टालने हेतू परिवार सदस्यो का ध्यान लें। दवाई पर अप्रत्याशित खर्च हो सकता है। आपनें इस साल स्वास्थ्य का ध्यान रखा नही तों, आपकों जादा दवाई लेनी पड सकती है।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा दुसरे स्थान में है और वह संतप्त है। इससे परिवार सदस्यो से तनाव और आखों के रोगो की संभावना है।

सुर्य तीसरे स्थान में है। इससे राजनीतिक स्त्रोतो सें उत्पन्न, शत्रुओं पर विजय और अच्छा स्वास्थ्य इनकी संभावना है।

बुध दुसरे स्थान में है। इससे आर्थिक प्राप्ती, प्रतिष्ठा, सफलता, परिवार सदस्यो से आनन्द और संतुष्टि हो सकती है।

शुक्र तीसरे स्थान में है। इससे भाई-बहनों से आनन्द, अच्छा स्वास्थ्य और उत्पन्न, लोगो की मदद इनकी संभावना दिखती है।

मंगल बारहवे स्थान में है। इससे कान और आखों में समस्या, चोरी सें पैसो का नुकसान, स्कँडल्स, परिवार में बिमारी की संभावना है।

गुरू ग्यारहवे स्थान में है। इससे महंगी और असाधारण प्राप्ती, बच्चो की तरक्की की शुरूवात, राजनितीक उच्चपदस्थ व्यकित सें अच्छे संबंध की संभावना है।

शनी पहिले स्थान में है। इससे स्वास्थ्य की अडचनें, शासन सें अडचनें, साथी या प्रेमी सें तनाव, बाधाएं और उदासी की संभावना है।

राहु आठवे स्थान में है। इससे दस्त या बुखार, अनैच्छिक घटना और प्रसंग की संभावना है।

केतु दुसरे स्थान में है। इससे स्वास्थ्य और संपत्ती की अडचनें दिखाई देती है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	प्रतिकूल
रवि	अनुकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	अनुकूल
मंगल	प्रतिकूल
गुरु	अनुकूल
शनि	प्रतिकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	प्रतिकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः **प्रतिकूल**

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	अनुकूल
मुंथा स्वामी	अनुकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	प्रतिकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींगः 80 %

■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■■□□□□□□

With best wishes : Astro-Vision Futurtech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

[YearGuide 3.0.4.2 Server Edition]

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any d